जबलपुर जिले के ग्रामीण विकास में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका

शोध पत्र-अर्थशास्त्र

* डॉ. गीता पाण्डेय

भारतीय ग्रामीण विकास के मार्ग में अनेक समस्यायें है। साथ ही यह कथन अनुचित नहीं होगा कि भारतीय ग्रामीण विकास की संभावनाये भी अनंत है। इन्हीं दूरभिसंधियों को दृष्टिगत रखते हुए कहा जाता है कि भारत एक संपन्न देश है जिसमें विपन्न लोग निवास करते है। लेकिन हमारे देश में आधारभूत संसाधनों के विकास का उत्तरदायित्व शासन ने स्वयं ग्रहण किया हुआ है चूंकि सामाजिक व्यवस्था पर भी बैंको का कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं है, अतः शासन का उत्तरदायित्व कुछ अधिक हो जाता है। अंततः बैंक भी शासकीय नीतियों के अन्तर्गत कार्य करते है अतः इस शोध पत्र में ग्रामीण विकास में वाणिज्यिक बैंको की भूमिका का अध्ययन किया गया है। इस तरह इसका उद्देश्य शासन ओर वाणिज्यिक बैंको के सम्मिलित प्रयास से हुए ग्रामीण विकास के वारे में जानना है।

अध्ययन के उद्देश्य : 1. ग्रामीण विकास में वाणिज्यिक बैंको की भूमिका एवं महत्व को प्रतिपादित करना। 2. ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में वाणिज्यि बैंको की भागीदारी का विश्लेषण करना है। 3. **शोध प्रविधि–** अध्ययन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये प्रस्तुत शोध–पत्र में द्वितीयक चक्र समंको सूचनाओं एवं लक्ष्यों का प्रयोग किया गया है तत्पश्चात् संकलित समंको एवं सूचनाओं का अवलोकन एवं विश्लेषण करके निष्कर्ष निकाले गये हैं।

ग्रामीण विकास में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका–जिले की बैंकिंग व्यवस्था में 88 प्रतिशत बैंक वाणिज्यिक बैंक है। 22 वाणिज्यिक बैंकों की 136 शाखाएँ जिले में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिये 10 वाणिज्यिक बैंकों की 49 ग्रामीण एवं अर्द्ध शहरी शाखाएँ कार्यरत है। 10 वाणिज्यिक बैंकों में से 6 बैंको की भूमिका सर्वाधिक है, ये चार बैंक है– सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं इलाहाबाद बैंक। जिले में वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋणों में विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिये बैंकों को पाँच भागों में बांटा गया है। चार बडे बैंक जिन की कुल बैंकों की 49 ग्रामीण शाखाओं में से 38 शाखाएँ है तथा अन्य छः वाणिज्यिक बैंकों का एक समूह बनाया गया है। चार बैंक एवं पांचवें अन्य वाणिज्यिक बैंकों के समूह का आपस में तुलना करके जिले के ग्रामीण विकास में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका को समझने का प्रयास किया गया है। बैंकों द्वारा सिर्फ ऋणों का वितरण किया जाये एवं उनकी वसूली न हो तो बैंक आगे के लिये साख निर्माण नहीं कर सकेंगे। और उनका अस्तित्व खतरें में आ जायेगा। ऋणों के वितरण के साथ–साथ बैंको द्वारा ऋणों की वसूली भी एक महत्वपूर्ण कार्य है। अतः जिले में वाणिज्यिक बैंकों द्वारा वितरित ऋणों की वसूली की स्थिति जानना भी आवश्यक है। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया जिले की अग्रणी बैंक है अतः जिले के ग्रामीण–विकास में भी बैंक की भूमिका सबसे अधिक है। पूरे जिले में सेन्ट्रल बैंक की कुल 24 शाखाएँ है, जिनमें से 15 शाखाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ प्रदान करती है तथा जबलपुर जिले के सातों विकासखण्डों के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक की 15 शाखाएँ अपनी सेवाएँ दे रही है। बैंक की इन 15 शाखाओं को 438 ग्राम वितरित किय है। अतः हम यह कर सकते हैं कि बैंकिंग सेवा प्राप्त करने वाले जिले के कुल गाँवों में से 31.62 प्रतिशत गावों को सेन्ट्रल बैंक अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। अतः सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने विगत वर्षो में अधिकांशतः निश्चित लक्ष्य से अधिक ऋण वितरित किये है। 2001–02 में लक्ष्य के सापेक्ष वितरण 3.38 प्रतिशत कम था लेकिन वर्ष 2002–03 में लक्ष्य से 40.99 प्रतिशत अधिक ऋण वितरित किया। वही वर्ष 2003–04 में ऋण वितरण में फिर से कमी आई लेकिन 2004–05 मे ये कमी पूरी करते हुए बैंक ने लक्ष्य से 131.96 प्रतिशत अधिक ऋण वितरित किया तथा 1 वर्ष 2005–06 में भी लक्ष्य से 35.55 प्रतिशत अधिक ऋण वितरित किये गये। यदि हम बैंक के ऋण वितरण को क्षेत्रों की दृष्टि से देखे तो पता चलता है कि बैंक द्वारा सबसे कम ऋण लक्ष्य से एवं वितरण गैर प्राथमिक क्षेत्र में हुआ। लेकिन गैर प्राथमिक क्षेत्र में ऋण वितरण लक्ष्य से फिर भी 342.48 प्रतिशत अधिक था। विगत पाँच वर्षो से सेन्ट्रल बैंक द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कुल 3,83,911 हजार रूपये के ऋण वितरण का लक्ष्य तय किया गया था तथा 5,47,822 हजार रूपये का ऋण वितरित किया गया जो लक्ष्य से 42.69 प्रतिशत अधिक था। अतः ऑंकड़ो से यह पता चला रहा है कि सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया ने जिले के ग्रामीण विकास में अपना पूरा सहयोग दिया है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया – स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भारत का एक बड़ा वाणिज्यिक बैंक है। बैंक का पूरे देश में 9,000 शाखाओं का विशाल नेटवर्क है और ये शाखाएँ देश के सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के आधे जमा एवं ऋणों के कार्यो को पूरा करती है। जिले मे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की कुल 32 शाखाएँ है, जिनमे से 7 ग्रामीण क्षेत्रों में 5 अर्द्ध–शहरी क्षेत्रों में तथा 20 शहरी क्षेत्रों में है। तथा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की कुल 11 शाखाएँ है जिन्हें 360 ग्राम वितरित किये गये है जो कुल ग्रामों का 25.99 प्रतिशत हिस्सा है ग्रामीण क्षेत्र में शाखाओं के आधार पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का समस्त वाणिज्यिक बैंको में दूसरा स्थान है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने वर्ष 2001–02 में लक्ष्य से 100.49 प्रतिशत, वर्ष 2002–03 में 56.97 प्रतिशत वर्ष 2003–04 में 35.36 प्रतिशत, वर्ष 2004–05 में 86.96

*विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, हितकारिणी महिला महाविद्यालय, जबलपुर, मध्यप्रदेश

प्रतिशत तथा वर्ष 2005–06 में 163.11 प्रतिशत लक्ष्य से अधिक ऋण वितरित किये गये हैं। वर्ष 2001–2002 से वर्ष 2005–06 के बीच स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को कुल 6,64,646 हजार रूपये के ऋण वितरण का लक्ष्य दिया गया था लेकिन बैंक ने कुल 12,98,82 हजार रूपये के ऋण वितरित किए जो लक्ष्य से लगभग दुगने है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र – दिनांक 16 सितम्बर 1935 को 10 लाख की पूँजी के साथ बैंक ऑफ महाराष्ट्र को पंजीकृत किया गया और 8 फरवरी 1936 से कार्य आरम्भ किया गया। जिले में बैंक की कुल 9 शाखाएँ है जिनमें से 7 शाखाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 2 शाखाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 2 शाखाएँ शहरी क्षेत्र में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रही है। जबलपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की सात शाखाएँ है, जो 185 गाँवों को अपनी सेवाएँ दे रही है, जिले के कुल बैंकिंग सेवा प्राप्त करने वाले गाँवों में से 13.35 प्रतिशत ग्रामों में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शाखाएँ कार्य कर रहीं है। दूसरे शब्दों में हम यह कर सकते हैं कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ प्रदान करने वाले वाणिज्यिक बैंकों में बैंक ऑफ महाराष्ट्र का तीसरा स्थान प्रदान है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र विगत पाँच वर्षों से कुल 2,19,938 हजार रूपये ऋण वितरण का लक्ष्य दिया गया था और बैंक ने कुल 3,41,694 हजार रूपये के ऋण वितरित किये जो कुल लक्ष्य से 55.35 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2001–02 में लक्ष्य से वितरण 38.10 प्रतिशत अधिक है। वही वर्ष 2002–03 में वितरण 9.85 प्रतिशत कम रहा हैं वर्ष 2003–04 में वितरण फिर बढ़ा और लक्ष्य से 62.24 प्रतिशत अधिक रहा, लेकिन वर्ष 2004–05 में लक्ष्य से अधिक वितरण 7.14 प्रतिशत कम रहा तथा वर्ष 2005–06 में वितरण फिर नीचे आया और 72.14 प्रतिशत रहा है। इन सब उतार–चढ़ाव के बाद भी विगत पाँच वर्षों में कुल ऋण वितरण, कुल ऋण वितरण लक्ष्य से अधिक था।

हलाहाबाद बैंक – हलाहाबाद बैंक की स्थापना 24 अप्रैल 1865 को इलाहाबाद में हुई और बैंक की स्थापना के प्रेरक यूरोपियन समूह के लोग थे, जिनके मुख्यिा डॉ. एफ. बीटसन थे। जिले में बैंक की कुल 15 शाखाएँ है जिनमें से 10 शहरी क्षेत्र में तथा 4 ग्रामीण क्षेत्रों में और 18 अर्द्धशहरी क्षेत्र में है। इसकी सात में से केवल तीन विकास खण्डों में इलाहाबाद बैंक की पाँच शाखाएँ है जो 144 गाँवों में बैंकिंग कार्य कर रही है। जिले के गाँवों में से 10.39 प्रतिशत गाँवों में इलाहाबाद बैंक सेवाएँ दे रही है। दूसरे शब्दों मे हम यह कर सकते हैं कि इलाहाबाद बैंक अपनी 5 शाखाओं के माध्यम से जिले के ग्रामीण विकास में अपना योगदान दे रहा है। शाखाओं के आधार पर वाणिज्यिक बैंको में इलाहाबाद बैंक का चौथा स्थान है। इलाहबाद बैंक ने विगत पाँच वर्षो में से चार वर्षों में हलाहाबाद बैंक ने जिले ग्रामीण क्षेत्रों में प्राप्त लक्ष्य से अधिक ऋण वितरित किए। बैंक को कुल 1,23,181 हजार रूपये का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन बैंक ने 2,33,454 हजार रूपये के ऋण वितरित किए, जो कि कुल लक्ष्य से 895 प्रतिशत अधिक थे। अतः इलाहाबाद बैंक ने कुल वितरण का 51.10 प्रतिशत भाग प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में वितरित किया और 41.25 प्रतिशत भाग सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों में किया।

सारणी क्रमांक : 1.1

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में समस्त वाणिज्यिक बैंकों की तुलनात्मक स्थिति

विकास खण्ड का नाम	सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया		स्टेट बैंक ऑफ इंडिया		बैंक ऑफ महाराष्ट्र		इलाहाबाद बैंक	
	शाखा संख्या	ग्राम संख्या	शाखा संख्या	ग्राम संख्या	शाखा संख्या	ग्राम संख्या	शाखा संख्या	ग्राम संख्या
जबलपुर	1	20	2	31	3	72	–	–
सिहोरा	3	50	2	44	–	–	–	–
पनागर	1	32	1	61	1	41	1	16
पाटन	3	98	1	20	2	27	–	–
मझौली	3	112	2	70	1	20	–	–
शहपुरा	3	113	1	49	–	–	1	47
कुण्डम	1	13	2	85	–	–	3	81
योग	**15**	**438**	**11**	**360**	**07**	**185**	**05**	**144**

स्त्रोतः सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया नेपियर टाउन जबलपुर म.प्र।

जबलपुर जिले के 1410 गाँवों को बैंकिंग सेवाएँ प्राप्त हो रही है, जिनमें से 1385 गाँवों में वाणिज्यिक बैंक अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। अतः हम यह कर सकते हैं कि जबलपुर जिले के 98.22 प्रतिशत ग्रामों को वाणिज्यिक बैंको की सेवाएँ प्रदान की जा रही है। उपरोक्त सारिणी से यह स्पष्ट होता है कि जबलपुर जिले में सर्वाधिक शाखाएँ सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की है। बैंक की 15 शाखाओं को 438 ग्राम वितरित किये गये है। जो कुल ग्रामों का 31.62 प्रतिशत है। दूसरा स्थान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का आता है। जिसकी 11 शाखाओं द्वारा जिले के 360 ग्रामों को बैंकिंग सेवाएँ प्रदान की जा रही है। जो कुल ग्रामों का 25.99 प्रतिशत है। तीसरा स्थान अन्य वाणिज्यिक बैंक के समूह का है। वही बैंक ऑफ महाराष्ट्र की 7 शाखाएँ जिले के 185 ग्रामों को बैंकिंग कार्यों को संभालती है। जो जिलो के ग्रामों का 13.35 प्रतिशत हिस्सा है।

निष्कर्ष–निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते हैं कि जबलपुर जिले के 1410 ग्रामों में बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध है। जिनमें से 1385 ग्राम वाणिज्यिक बैंको को वितरित किये गये हैं। अर्थात् 98.22 प्रतिशत ग्रामों के बैंकिंग कार्य वाणिज्यिक बैंक संभाल रही है। वाणिज्यिक बैंकों में से चार बैंक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र तथा इलाहाबाद बैंक ऐसे है जो अपनी सेवाएँ 1385 में से 1127 ग्रामों में अपनी सेवाएँ देते हैं। क्योंकि सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया से कम शाखाओं के बावजूद स्टेट बैंक ने 137.08 प्रतिशत अधिक ऋण वितरित किये है। दूसरा स्थान सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का है तथा तीसरा व चौथा स्थान बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं इलाहाबाद बैंक का रहा है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. डॉ. शर्मा हरिशचन्द्र – ''बैंकिंग के सिद्धांत'' सहित्य भवन, आगरा 2. डॉ. शर्मा हरिशचन्द्र – मुमार प्रो. वी.–बैंकिंग एवं राजस्व साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा। 3. देशाई ऐ. आर – ''भारतीय ग्रामीण अर्थशास्त्र'' रावत पब्लिकेशंस जयपुर एवं नई दिल्ली। 4. पाण्डेय पी. एन. – ''ग्रामीण विकास एवं संरचनात्मक परिवर्तन'' रावत पब्लिकेशंस जयपुर एवं नई दिल्ली। 5. ''जिला सांख्यिकीय पुस्तिका – 2002 – सांख्यिकीय विभाग कलेक्ट्रेट जबलपुर। 6. जिला शाखा योजना जबलपुर (म.प्र.) सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, अग्रणी बैंक कार्यालय जबलपुर (म.प्र.) 7. जिला सांख्यिकीय पुस्तिका जबलपुर (2005–2006)